# रोगियों के प्रति भेदभाव समाप्त करने का अभियान

## चर्चा में क्यों?

सूत्रों के अनुसार, झारखंड में **ह्यूमन इम्यूनोडेफिशिएंसी वायरस (Human Immunodeficiency Virus- HIV)** रोगियों के खिलाफ **भेदभाव को खत्म करने के लिये जागरूकता उत्पन्न करने हेतु 1 सितंबर, 2024 को एक अभियान शुरू किया जाएगा।**

## मुख्य बिंदु:

- इसकी घोषणा **डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्ववद्यिालय के सभागार में गहन IEC (सूचना, शिक्षा, संचार) अभियान** के शुभारंभ के दौरान की गई।
- **झारखंड राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी** के परियोजना निदेशक के अनुसार **यह अभियान ज़िला, प्रखंड और गाँव स्तर पर चलाया जाएगा।**
  - अभियान के माध्यम से विशेषकर **युवाओं को HIV और यौन संचारित रोगों के प्रति जागरूक** किया जाएगा।

## ह्यूमन इम्यूनोडेफिशिएंसी वायरस (Human Immunodeficiency Virus- HIV)

- **परिचय:**
  - HIV एक वायरस है जो मानव शरीर की **प्रतिरक्षा प्रणाली** को क्षति पहुँचाता है।
  - यह **मुख्य रूप से CD4 प्रतिरक्षा कोशिकाओं को लक्षित करता है** और उन्हें नुकसान पहुँचाता है, **CD4 प्रतिरक्षा कोशिकाएँ संक्रमण तथा बीमारियों से लड़ने की शरीर की क्षमता के लिये आवश्यक होती हैं।**
    - HIV समय बीतने के साथ प्रतिरक्षा प्रणाली को कमज़ोर कर देता है, **जिससे शरीर विभिन्न प्रकार के संक्रमण और कैंसर की चपेट में आ जाता है।**
- **संचरण:**
  - इसके संचरण के प्राथमिक स्रोत- **रक्त, शुक्राणु, योनिक तरल पदार्थ, स्तनपान** आदि माने जाते हैं।
- **गंभीरता:**
  - यदि उपचार नहीं किया जाता है, तो वायरस किसी व्यक्ति की प्रतिरक्षा प्रणाली को नष्ट कर देता है तथा उसे **एक्वायर्ड इम्यूनोडिफिसिएंसी सिंड्रोम (AIDS)** चरण में कहा जाता है, जिसमें प्रतिरक्षा प्रणाली के कमज़ोर होने के कारण **कई अन्य संक्रमण घेर लेते हैं जिसके परिणामस्वरूप मृत्यु हो सकती है।**
- **उपचार:**
  - **हालाँकि वर्तमान में संक्रमण का कोई इलाज नहीं है**, लेकिन **एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी (ART)** का उपयोग करके वायरस को नियंत्रित किया जा सकता है।
    - ये दवाएँ शरीर के भीतर वायरस की प्रतिकृति बनाने की क्षमता को कम कर देती हैं, **जिससे CD4 प्रतिरक्षा कोशिकाओं की संख्या में वृद्धि हो जाती है।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/campaign-to-end-discrimination-towards-hiv-patients-hiv